Seminars in Cancer Biology
SCEPTRE

KURUKSHETRA UNIVERSITY

Access through your institution

Purchase PDF

ELSEVIER

Seminars in Cancer Biology

Available online 13 July 2021

In Press, Journal Pre-proof

# Recent advances in microbial toxin-related strategies to combat cancer

Prabodh Chander Sharma [a], Diksha Sharma [b], Archana Sharma [b], Madhulika Bhagat [c], Monika Ola [d], Vijay Kumar Thakur [e, f], Jitender Kumar Bhardwaj [g], Ramesh K. Goyal [a]

Show more

+ Add to Mendeley  Share  Cite

https://doi.org/10.1016/j.semcancer.2021.07.007

Get rights and content

ⓘ CiteScore ↗

18.1 

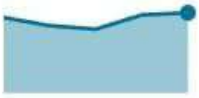

ⓘ Impact Factor ↗

15.707

ⓘ Top Readership ↗

US CN

GB

ⓘ Publication Time

1.5 weeks

timesofindia.indiatimes.com/home/education/news/microbial-toxins-related-strategies-to-combat-cancer-outstandi



# Microbial toxins related strategies to combat cancer: Outstanding publication by researchers from KUK and DPSRU

TNN | Jul 20, 2021, 20:26 IST

KURUKSHETRA: In a recent scientific development, scientists working in the field of pharmaceutical sciences, toxicology, cancer biology and medicinal pharmacology at Kurukshetra University (KU) and

# अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में छपा केयू शिक्षक का शोधपत्र

**कुरुक्षेत्र** | दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी नई दिल्ली के वैज्ञानिक एवं केयू के पूर्व शिक्षक डॉ. प्रबोध चंद्र शर्मा और केयू जूलॉजी विभाग के डॉ. जितेंद्र भारद्वाज का कैंसर के संभावित उपचारों पर केंद्रित शोध पत्र अंतर राष्ट्रीय पत्रिका सेमिनार इन कैंसर बायोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। इस शोध पत्रिका का शोध के क्षेत्र में इंपेक्ट फैक्टर 15.707 है। केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा एवं डीन रिसर्च प्रो. पवन शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए शोध से जुड़े वैज्ञानिकों व शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित होना सभी के लिए गौरवशाली है। केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य को प्रकाशित करना हमारे विश्वविद्यालय और देश के वैज्ञानिक समुदाय के लिए गर्व की बात है।

# धैर्य और कड़ी मेहनत से भविष्य की चुनौतियों का मजबूती से करें सामना : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुरुक्षेत्र, (पवन आश्री)। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विद्यार्थी किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होते हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विदेशों से उच्च शिक्षा ग्रहण करने आए विद्यार्थी उनके अतिथि हैं। विश्वविद्यालय में उनको किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो और उनको उच्च स्तर की शिक्षा व सुविधाएं प्राप्त हों इसके लिए विश्वविद्यालय ने उचित प्रबन्ध किए हुएं हैं। वे मंगलवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाईजर विभाग की ओर से इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए आयोजित विदाई कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

कुलपति ने सभी विदेशी विद्यार्थियों को नैक से ए-प्लस ग्रेड प्राप्त कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से उनकी डिग्री पूरी होने की बधाई दी तथा उन्होंने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए मौजूदा छात्रावास सुविधाओं में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने सभी छात्रों को धैर्य एवं कड़ी मेहनत करते हुए भविष्य की चुनौतियों का मजबूती के साथ सामना करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने योगस्थ कुरु कर्माणी अर्थात अपने कर्म पर विश्वास रखना और अपना सर्वश्रेष्ठ करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डीन एकेडमिक अफेयर प्रो. मंजूला चौधरी ने कहा कि इंटरनेशनल विद्यार्थियों को परिसर व हॉस्टल में उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य व हर तरह की सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन हमेशा तैयार है। उन्होंने इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाईजर आफिस के बारे में विस्तार से बताया।

इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाईजर प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। मंच का संचालन डिप्टी एडवाईजर डॉ. अजय कुमार ने किया।

इस मौके पर कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, प्रो. दिनेश राणा, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो. स्मिता चौधरी, डॉ. रमेश दलाल, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. विकास सभ्रवाल, डॉ. नीलू सूद, डॉ. हुकम सिंह व डॉ. अंकेश्वर प्रकाश मौजूद रहे।

इंटरनेशनल छात्रों द्वारा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के बारे में अनुभव सांझा किए गए। सभी इंटरनेशनल छात्रों को कुवि की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। डॉ. अजय कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में कुल 12 इंटरनेशनल विद्यार्थी थे जिनमें 10 अफगानिस्तान से, एक विद्यार्थी बांग्लादेश व एक विद्यार्थी मोजाम्बिक से उपस्थित रहा। अंतराष्ट्रीय स्तर पर 15.7 इम्पेक्ट फेक्टर शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित करने में सफल रहे केयू से जुड़े शिक्षक एवं शोधार्थी।

शोध संस्कृति के विकास के लिए ऐसे शोध पत्र एवं कार्य जरूरी: प्रोफेसर सोमनाथ। कुलपति, कुलसचिव व डीन रिसर्च ने डॉक्टर प्रबोध चंद्र शर्मा, डॉक्टर जितेंद्र भारद्वाज, डॉक्टर अर्चना शर्मा व दीक्षा शर्मा को शोधपत्र के लिए दी बधाई

कुरुक्षेत्र (पवन आश्री)।दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू), नई दिल्ली के वैज्ञानिक एवं केयू के पूर्व शिक्षक डॉ. प्रबोध चंद्र शर्मा एवं केयू जूलोजी विभाग के डॉ. जितेंद्र भारद्वाज एवं अन्य का कैंसर के संभावित उपचारों पर केंद्रित शोध पत्र अत्यधिक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका सेमीनार इन कैंसर बायोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। इस शोध पत्रिका का शोध के क्षेत्र में इम्पेक्ट फेक्टर 15.707 है जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही सम्मान के नजरिए से देखा जाता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा एवं डीन रिसर्च प्रोफेसर पवन शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए इस शोध से जुड़े वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित होना सभी के लिए गौरवशाली है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने लेखकों की टीम की प्रशंसा की और कहा है कि इस तरह के उत्कृष्ट कार्य को प्रकाशित करना हमारे विश्वविद्यालय और देश के वैज्ञानिक समुदाय के लिए बहुत गर्व की बात है। ऐसे उत्कृष्ठ प्रकाशन विश्वविद्यालयों में अनुसंधान के माहौल को बढ़ाने में मदद करेगा और भविष्य के अनुसंधान प्रयासों में अधिक उपयोगी वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करने में सहायक होगा।

# कैंसर के संभावित उपचारों पर केंद्रित शोध अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित

शोधार्थियों को बधाई देते केयू कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा और कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

## केयू के कुलपति ने बताया बड़ी उपलब्धि शोध से जुड़े वैज्ञानिकों को दी बधाई

**कुरुक्षेत्र।** दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक एवं केयू के पूर्व शिक्षक डॉ. प्रबोध चंद्र शर्मा और केयू जूलॉजी विभाग के डॉ. जितेंद्र भारद्वाज के शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय पत्रिका इंपैक्ट फैक्टर में प्रकाशित हुए हैं। ये शोधपत्र कैंसर के संभावित उपचारों पर केंद्रित हैं। केयू के कुलपति सोमनाथ सचदेवा ने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए संबंधित वैज्ञानिकों को बधाई दी।

इस शोध पत्र के सह लेखक एवं दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. रमेश ने कहा कि कैंसर विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की दिशा में यह श्रेष्ठ प्रयास है।

कैंसर के निदान के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है। पेपर के लेखक डॉ. प्रबोध चंद्र शर्मा ने कहा कि कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ एक थेरेपी के रूप में प्राकृतिक रूप से व्युत्पन्न माइक्रोबियल टॉक्सिन्स एक उम्मीद भरा आयाम है। इन माइक्रोबियल विषाक्त पदार्थों में क्रिया के विविध तंत्र होते हैं। केयू वैज्ञानिक एवं पेपर के सह-लेखक डॉ. जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने भरोसा जताया कि शोधपत्र कैंसर के उपचार में सहायक साबित होंगे।

# संस्कृति के विकास के लिए शोध पत्रों की गुणवत्ता जरूरी : सचदेवा

**जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र :** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों को शोध पत्रों की गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। उच्च गुणवत्ता के शोध पत्र तैयार करने से नई पीढ़ी को भी इस दिशा में काम करने में सफलता मिलती है।

उन्होंने दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआरयू) नई दिल्ली के वैज्ञानिक एवं कुवि के पूर्व शिक्षक डा. प्रबोध चंद्र शर्मा, कुवि जूलाजी विभाग के डा. जितेंद्र भारद्वाज एवं अन्य का कैंसर के संभावित उपचारों पर केंद्रित शोध पत्र अत्यधिक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका सेमिनार इन कैंसर बायोलाजी में प्रकाशित होने पर उन्हें शुभकामनाएं दी। इनके साथ ही कुलसचिव डा. संजीव शर्मा एवं डीन रिसर्च प्रोफेसर पवन शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए इस शोध से जुड़े वैज्ञानिकों व शिक्षकों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि इस शोध पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित होना सभी के लिए गौरवशाली है। उन्होंने कहा है कि इस तरह के उत्कृष्ट कार्य को प्रकाशित करना हमारे विवि और देश के वैज्ञानिक समुदाय के लिए बहुत गर्व की बात है। ऐसे उत्कृष्ट प्रकाशन विवि में अनुसंधान के माहौल को बढ़ाने में मदद करेगा और भविष्य के अनुसंधान प्रयासों में अधिक उपयोगी वैज्ञानिक सहयोग स्थापित करने में सहायक होगा।

इस शोध पत्र में बताया गया है कि माइक्रोबियल टाक्सिन्स और उनके मेटाबोलाइट्स में उपचार और प्रबंधन के लिए आशाजनक विकल्प प्रदान करने की बड़ी क्षमता है। उनके अनुसार, प्रभावी कैंसर उपचार से संबंधित प्राथमिक चुनौती कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने के लिए माइक्रोबियल को सुरक्षित रूप से वांछित उत्तकों में वितरित करना है।